## Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

## License Information

**मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)** (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Words, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

# मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

## ध

*धनुर्धारी, धनुष और तीर, धर्मी, धर्मी, धर्मोपदेश, धीरज धरना, धीरज धरना, धीरजवन्त, धुन, धूप, धूप जलाने की वेदी, धूर्त, धोखा*

## धनुर्धारी

*परिभाषा:*

"धनुर्धारी" धनुष और तीर को हथियार स्वरूप काम में लेने में सक्षम व्यक्ति।

- बाइबल में धनुर्धारी एक सिपाही है जो सेना में धनुष और तीर का उपयोग करता है।
- धनुर्धारी अश्शूरों के सेना का महत्वपूर्ण भाग थे।
- कुछ भाषाओं में इसके लिए अपना शब्द होगा जैसे "धनुर्धर"

(यह भी देखें: अश्शूर)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- 1 शमूएल 31:1–3
- 2 इतिहास 35:23–24
- उत्पत्ति 21:19–21
- यशायाह 21:16–17
- अय्यूब 16:13–14
- नीतिवचन 26:9–10

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H1167, H1869, H2671, H2686, H3384, H7198, H7199, H7228

## धनुष और तीर

*परिभाषा:*

यह एक धनुषाकार हथियार से तीर चलानेवाला शस्त्र है। बाइबल के युग में इसका उपयोग बैरी की सेना से लड़ने में किया जाता था और खाने के लिए पशुओं को मारने में भी किया जाता था।

- धनुष लकड़ी, हड्डी, धातु या अन्य कठोर वस्तु से जैसे हिरण मृगश्रृड्ग से बनाया जाता था। वह रस्सी या तांत या लता के द्वारा बान्ध कर धनुषाकार बनाया जाता था।
- तीर एक पतली डंडी होता है जिसका एक सिरा नुकीला होता था। प्राचीन युग में तीर विभिन्न वस्तुओं से बनाये जाते थे जैसे लकड़ी, हड्डी, पत्थर या धातु से।धनुष और तीर सामान्यतः शिकारियों तथा योद्धाओं द्वारा काम में लिए जाते थे।
- बाइबल में "तीर" का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में शत्रु के आक्रमण या परमेश्वर के दण्ड के लिए भी किया गया है।

*बाइबल सन्दर्भ:*

- उत्पत्ति 21:16
- हबक्कूक 3:9–10
- अय्यूब 29:20–22
- विलापगीत 2:4
- भजन संहिता 58:6–8

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H2671, H7198, G5115

## धर्मी

*परिभाषा:*

"धर्मी" शब्द उस मनुष्य को व्यक्त करता है जो इस प्रकार के काम करता है जिनसे परमेश्वर का महिमान्वन होता है और

प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा है। "भक्ति" परमेश्वर की इच्छा पूरी करके परमेश्वर का सम्मान करने का गुण है।

- भक्ति का गुण रखनेवाला मनुष्य पवित्र-आत्मा के फल प्रकट करता है जैसे, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, दया, आत्मसंयम आदि।
- भक्ति की गुणवत्ता से पता चलता है कि एक व्यक्ति को पवित्र आत्मा है और उसे पालन करना है।

*अनुवाद के सुझाव*

- “ईश्वर-भक्त” का अनुवाद “परमेश्वर परायण लोग” या “परमेश्वर की आज्ञा मानने वाले लोग” (देखें: नाममात्र)
- विशेषण "ईश्वरीय" का अनुवाद "ईश्वर के आज्ञाकारी" या "धर्मी" या "ईश्वर को प्रसन्न" के रूप में किया जा सकता है।
- वाक्यांश "ईश्वरीय ढंग से" का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार" या "कर्मों और शब्दों से किया गया है जो परमेश्वर को खुश करता है" के रूप में किया जा सकता है।
- "भक्ति" का अनुवाद करने के तरीके में "परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले तरीके से काम करना" या "परमेश्वर का पालन करना" या "एक धर्मी तरीके से जी रहे" हो सकते हैं।

(यह भी देखें: सम्मान, आज्ञा पालन, धर्मी, भक्तिहीन,)

*बाइबल संदर्भ:*

- अय्यूब 27:10
- नीतिवचन 11:09
- प्रे.का. 03:12
- 1 तीमुथियुस 01:9–11
- 1 तीमुथियुस 04:07
- 2 तीमुथियुस 03:12
- इब्रानियों 12:14–17
- इब्रानियों 11:7
- 1 पतरस 04:18
- यहूदा 01:16

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H430, H2623, G516, G2124, G2150, G2152, G2153, G2316, G2317

## धर्मी

*परिभाषा:*

“धार्मिकता” परमेश्वर की परम भलाई, न्याय, विश्वासयोग्यता और प्रेम के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है। इन गुणों के होने से परमेश्वर "धर्मी" बनता है। क्योंकि परमेश्वर धर्मी है, उसके लिए पाप का दण्ड देना आवश्यक है।

- इन शब्दों द्वारा परमेश्वर के आज्ञाकारी और सदाचारी मनुष्य का भी चरित्र-चित्रण किया जाता है। परन्तु सबने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर को छोड़ कोई भी पूर्ण धर्मी नहीं है।
- बाइबल में जिन लोगों को "धर्मी" कहा गया है वे हैं नूह, अय्यूब, अब्राहम, जकर्याह और इलीशिबा।
- उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करनेवालों को परमेश्वर पापों से शुद्ध करता है और यीशु की धार्मिकता के कारण उन्हें धर्मी कहता है।
- "अधर्मी" शब्द का अर्थ है, पापी और नैतिकता में भ्रष्ट। "अधर्म" का सन्दर्भ पाप या पापी होने की दशा से है।
- इन शब्दों का सन्दर्भ विशेष करके ऐसे जीवन से है जिसमें परमेश्वर की शिक्षाओं और आज्ञाओं की अवज्ञा की जाती है।
- अधर्मी जन अपने विचारों और कर्मों में नैतिकता का पालन नहीं करते हैं।
- कभी-कभी "अधर्मी" शब्द का सन्दर्भ उन लोगों से होता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते हैं।
- "खरा" और "खराई", इन शब्दों का सन्दर्भ परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करने से है।
- इन शब्दों के अर्थ में समाहित विचार है, सीधे खड़े होना और सीधा आगे देखना।
- "खरा" मनुष्य वह है जो परमेश्वर के नियमों का पालन करता है और उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई काम नहीं करता है।
- "खरा" और "धर्मी" के अर्थ सहार्थी हैं और कभी-कभी एक साथ काम में लिए जाते हैं जैसे, "एकनिष्ठा और खराई"

(देखें: सादृश्यता)

*अनुवाद के सुझाव:*

- जब परमेश्वर का उल्लेख होता है, तब “धर्मी” का अनुवाद होगा, “पूर्णतः भला और न्यायोचित” या “सदा सर्वदा धर्मनिष्ठा निभानेवाला” हो सकता हैं।
- परमेश्वर की “धार्मिकता” का अनुवाद “सिद्ध विश्वासयोग्यता और भलाई” हो सकता है।
- परमेश्वर के आज्ञाकारी मनुष्यों के उल्लेख में “धर्मी” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “नैतिकता में उचित” या “न्यायोचित” या “परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन व्यतीत करनेवाले"
- “धर्मी” का अनुवाद हो सकता है, “धर्मी लोग” या “परमेश्वर का भय मानने वाले लोग”
- प्रकरण के अनुसार “धार्मिकता” का अनुवाद हो सकता है, एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका भावार्थ, “अच्छाई” या “परमेश्वर के सम्मुख सिद्ध होना” या परमेश्वर की आज्ञा मानकर उचित व्यवहार करना” या “पूर्णतः सिद्धता के काम करना”
- "अधर्मी"शब्द का अनुवाद हो सकता है, "धर्मी नहीं"
- प्रकरण के आधार पर इस शब्द के एनी अनुवाद रूप भी हो सकते हैंजैसे, "दुष्ट" या "अनैतिक" या "परमेश्वर के विद्रोही जन" या "पापी"
- "अधर्म" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "पाप" या "बे विचार एवाम्कर्म" या "दुष्टता"
- यदि संभव हो तो इसका सर्वोत्तम अनुवाद वह होगा जिसमें इसका सम्बन्ध "धर्मी, धार्मिकता" से दर्शाया जाए|
- "खरा" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "खरा व्यवहार" या "परमेश्वर की विधियों का पालन करना" या "परमेश्वर का आज्ञाकारी होना" या "ऐसा व्यवहार करना जो उचित हो"
- "खराई" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "नैतिक शुद्धता" या "उत्तम सदाचार" या "औचित्य प्रदर्शन"

- "खरे मनुष्य" का अनुवाद हो सकता है, "मनुष्य जो खरे हैं" या "खरे मनुष्य"

(यह भी देखें: बुरा, विश्वासयोग्य, भला, पवित्र, खराई, धर्मी, विधियां, व्यवस्था, आज्ञापालन, शुद्ध, धर्मी, पाप, व्यवस्था विरोधी)

*बाइबल संदर्भ:*

- व्यवस्थाविवरण 19:16
- अय्यूब 1:8
- भजन. 37:30
- ब्भाजन. 49:14
- भजन. 107:42
- सभोपदेशक 12:10–11
- यशायाह 48:1–2
- यहेजकेल 33:13
- मलाकी 2:6
- मत्ती 6:1
- प्रे.का. 3:13–14
- रोमियों 1:29–31
- 1 कुरिन्थियों 6:9
- गलातियों 3:7
- कुलुस्सियों 3:25
- 2 थिस्सलुनीकियों 2:10
- 2 तीमुथियुस 3:16
- 1 पतरस 3:18–20
- 1 यूहन्ना 1:9
- 1 यूहन्ना 5:16–17

*बाईबल की कहानियों के उदाहरण*

- **3:2** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी नूह पर बनी रही। नूह **धर्मी** पुरुष और अपने समय के लोगों में खरा था।
- **4:8** परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम **धर्मी** है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर विश्वास किया।
- **17:2** दाऊद एक विनम्र और **धर्मी** व्यक्ति था जो विश्वसनीय था और परमेश्वर का पालन करता था।
- **23:1** मरियम की मंगनी यूसुफ नामक एक **धर्मी** पुरुष से हुई।

- **50:10** तब **धर्मी** लोग अपने पिता परमेश्वर के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे।"

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H205, H1368, H2555, H3072, H3474, H3476, H3477, H3483, H4334, H4339, H4749, H5228, H5229, H5324, H5765, H5766, H5767, H5977, H6662, H6663, H6664, H6665, H6666, H6968, H8535, H8537, H8549, H8552, G93, G94, G458, G1341, G1342, G1343, G1344, G1345, G1346, G2118, G3716, G3717

## धर्मोपदेश

*परिभाषा:*

"धर्मोपदेश" का अर्थ है "शिक्षा देना"। यह प्रायः धार्मिक शिक्षा के संदर्भ में है।

- मसीही शिक्षा के संदर्भ में "धर्मोपदेश" के विषय हैं, पिता, पुत्र, और पवित्र-आत्मा, उसका व्यक्तित्व गुण और सब कार्य।
- इसका अर्थ यह भी है कि परमेश्वर द्वारा विश्वासियों को पवित्र जीवन जीने की शिक्षा देना कि परमेश्वर का महिमान्वन हो।
- शब्द "धर्मोपदेश" कभी-कभी झूठी या सांसारिक धार्मिक शिक्षाओं का उल्लेख करने के लिए भी प्रयोग किया जाता है जो मनुष्यों से आते हैं। प्रकरण से इसका अर्थ स्पष्ट होता है।
- इस शब्द का अनुवाद "शिक्षा" हो सकता है।

(यह भी देखें: शिक्षा देना)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- 1 तीमुथियुस 01:3
- 2 तीमुथियुस 03:16–17
- मरकुस 07:6–7
- मत्ती 15:7–9

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रांग'स: H3948, G1319, G1322, G2085

## धीरज धरना

*परिभाषा:*

"धीरज धरना" अर्थात् "लम्बा समय बिताना या किसी कठिनाई को सहबं शक्ति की पराकाष्ठा तक सहन करना."

- इसका अर्थ यह भी है कि परीक्षा के समय हिम्मत न हारना वरन दृढ़ रहना.
- "धीरज" शब्द का अर्थ "सहनशीलता" या "परीक्षा में सहनशील बने रहना" या "सताव में सहनशीलता दिखाना."
- विश्वासियों को प्रोत्साहित किया गया है कि "अन्त तक धीरज धरे रहें" अर्थात् उनसे कहा गया है कि यीशु का आज्ञापालन करें चाहे इसके कारण उन्हें दुख भी उठाना पड़े.
- "क्लेश सहने" का अर्थ, "दुख उठाना" भी हो सकता है.

*अनुवाद के सुझाव:*

- "धीरज से सहते रहना" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "डटा रहना" या "विश्वास करते रहना" या "परमेश्वर जो चाहता है वह करते रहना" या "दृढ़ खड़े रहना."
- कुछ संदर्भों में "धीरज से सहने" का अनुवाद हो सकता है, "अनुभव करना" या "भोगना."
- दीर्घकालीन अभिप्राय में "सहन" का अनुवाद हो सकता है, "लम्बे समय रहना" या "होते रहना." "सहन नहीं करे" का अनुवाद हो सकता है "सदैव नहीं रहेगा" या "अस्तित्व में नहीं रहेगा."
- "धीरज" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "दृढ़ता" या "विश्वास करते रहना" या "विश्वासयोग्य बने रहना."

(यह भी देखें: धीरज)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- 2 तीमुथियुस 2:11–13
- याकूब 1:3
- याकूब 1:12
- लूका 21:19
- मत्ती 13:21
- प्रकाशितवाक्य 1:9
- रोमियो 5:3–5

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H386, H3201, H3557, H5331, H5375, H5975, G430, G907, G1526, G2005, G2076, G2594, G3306, G4722, G5278, G5281, G5297, G5342

## धीरज धरना

*परिभाषा:*

"धीरज धरना" और "धीरज" का अर्थ है किसी काम को करते रहना चाहे वह बहुत कठिन या लम्बा समय क्यों न लेनेवाला हो।

- धीरज धरने का अर्थ यह भी हो सकता है कि मसीह के जैसा व्यवहार करना चाहे कठिन परीक्षाओं या परिस्थितियों में हो।
- "धीरज धरने वाला" मनुष्य वह है जो अपने अनिवार्य काम को करता रहता है जो उसे करना चाहिए चाहे वह कष्टकारी या दुःखदायी ही क्यों न हो।
- परमेश्वर की शिक्षाओं पर चलते रहने में धीरज धरने की आवश्यकता होती है, विशेष करके तब जब झूठी शिक्षाओं का बोलबाला हो।
- यहां सावधान रहें कि "हठ" शब्द का उपयोग न करें क्योंकि इसका अर्थ नकारात्मक है।

(यह भी देखें: धीरज धरना, परीक्षा)

*बाइबल संदर्भ:*

- कुलुस्सियों 1:11
- इफिसियों 6:18
- याकूब 5:9–11
- लूका 8:14–15

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: G31150, G43430, G52810

## धीरजवन्त

*परिभाषा:*

"धीरजवन्त" और "सहनशीलता" शब्द कठिन परिस्थितियों में दृढ़ खड़े रहने के संदर्भ में है। "धीरज धरना" में प्रायः प्रतीक्षा करना होता है।

- किसी के साथ धीरजवन्त होने का अर्थ है उससे प्रेम करना और उसकी गलतियों को क्षमा कर देना।
- बाइबल में परमेश्वर के लोगों को शिक्षा दी गई है कि वे कठिनाइयों में धीरज धरें वरन एक दूसरे के साथ सहनशील व्यवहार करें ।
- अपनी दया के कारण परमेश्वर मनुष्यों के साथ धीरजवन्त है जबकि वे दण्ड के योग्य पापी हैं।

(यह भी देखें: सहन करना, क्षमा करना, धीरज धरना)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- 1 पतरस 3:20
- 2 पतरस 3:9
- इब्रानियों 6:11–12
- मत्ती 18:28–29
- भजन संहिता 37:7
- प्रकाशितवाक्य 2:2

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H750, H753, H2342, H3811, H6960, H7114, G420, G463, G1933, G3114, G3115, G3116, G5278, G5281

## धुन

*परिभाषा:*

"धुन" और "जोशीला" का संदर्भ किसी मनुष्य या विचार के समर्थन में प्रबलता से समर्पित होने से है।

- उत्साह का अभिप्राय है किसी अच्छे काम को आगे बढाने के लिए प्रबल इच्छा एवं कार्य। इससे प्रायः उस मनुष्य का वर्णन होता है जो निष्ठापूर्वक परमेश्वर की आज्ञा मानता है और अन्यों को भी ऐसी शिक्षा देता है।
- जोशीला होने का अर्थ है, किसी काम को करने में अधक प्रयास करना वरन उस प्रयास में यत्नशील बने रहना।
- "प्रभु की जलन" या "यहोवा की जलन" का अर्थ है परमेश्वर का प्रबल शाश्वत कार्य कि उसके लोगों को आशिष मिले या न्याय सुनिश्चित हो।

*अनुवाद के लिए सुझाव:*

"जोश से भरा" का अनुवाद हो सकता है, "प्रबल यत्न करने वाला" या "अधक प्रयास करना"

- "धुन" का अनुवाद हो सकता है, "कर्मठ-भक्ति" या "अधीर संकल्प" या "धर्मी जोश"
- "तेरे भवन की धुन" का अनुवाद "तेरे मन्दिर के प्रबल सम्मान की लालसा" या "तेरे भवन की निगरानी की जोशीली मनोकामना"

*बाइबल सन्दर्भ:*

- 1 कुरिन्थियों 12:31
- 1 राजा 19:9–10
- प्रे.का. 22:3
- गलातियों 4:17
- यशायाह 63:15
- यूहन्ना 2:17–19
- फिलिप्पियों 3:6
- रोमियो 10:1–3

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H7065, H7068, G22050, G22060, G22070, G60410

## धूप

*परिभाषा:*

"धूप" का सन्दर्भ उस सुगन्धित मिश्रण से है जिसे जलाने पर मनमोहक सुगंध उठती है।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए भेट स्वरूप धूप जलाया करे।
- यह विशेष धूप परमेश्वर के निर्देश अनुसार पाँच विशिष्ट सुगन्धित द्रव्यों को बराबर मात्रा में मिलाकर बनाया जाता था। यह धूप पवित्र होता था इस कारण इसे अन्य किसी भी उद्देश्य के निमित्त काम में लेना वर्जित था।
- "धूप की वेदी" यह एक विशेष वेदी थी जो केवल धूप जलाने के लिए थी।
- दिन में चार बार, जब मन्दिर में प्रार्थना की जाती थी तब धूप जलाना अनिवार्य था। जब-जब होमबली चढाई जाती थी तब-तब धूप भी जलाई जाती थी।
- धूप जलाने का अभिप्राय था, परमेश्वर के लोगों की प्रार्थना और उपासना उसके धुए के द्वारा परमेश्वर तक जाती है।
- "धूप" का अनुवाद हो सकता है: "सुगन्धित द्रव्य" या "सुगन्धित पौधें"

(यह भी देखें: धूप जलाने की वेदी, होमबलि, लोबान)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- 1 राजा 3:1–3
- 2 इतिहास 13:10–11
- 2 राजा 14:4
- निर्गमन 25:3–7
- लूका 1:10

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H2553, H3828, H4196, H4289, H5208, H6988, H6999, H7002, H7004, H7381, G23680, G23690, G23700 , G23790, G30310

## धूप जलाने की वेदी

*तथ्य:*

धूप जलाने की वेदी वह स्थान था जहां याजक परमेश्वर को भेंट चढ़ाने के लिए धूप जलाता था। उसे सोने की वेदी भी कहते थे।

धूप जलाने की वेदी लकड़ी की बनी हुई थी और उस पर सोना चढ़ा हुआ था। उसकी लम्बाई और चौड़ाई आधा-आधा मीटर की थी तथा ऊंचाई एक मीटर की थी।

- पहले वह मिलापवाले तम्बू के भीतर थी। उसके बाद उसे मन्दिर में लाया गया था।
- याजक प्रतिदिन सुबह-शाम उस पर धूप जलाता था।
- इसका अनुवाद “धूप जलाने की वेदी” या सोने की वेदी” या “धूप जलाने वाली” या “धूप की मेज” किया जा सकता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: धूप)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- लूका 1:11–13

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रोंग्स: H4196, H7004, G23680, G23790

## धूर्त

*परिभाषा:*

शब्द "धूर्त" एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बुद्धिमान और चालाक है, खासकर व्यावहारिक मामलों में।

- इस शब्द का अर्थ प्रायः नकारात्मक होता है क्योंकि इसमें स्वार्थ छिपा होता है।
- धूर्त मनुष्य अन्यों की अपेक्षा स्वयं का लाभ खोजता है।
- इस शब्द का अनुवाद “चालाक” या “चतुर” या “कुशल व्यवहार” या “प्रवीण” हो सकता है प्रकरण के अनुसार।

*बाइबल के सन्दर्भ:*

*शब्द तथ्य:*

- Strong's: H2450, H6175, G5429

धोखा

## धोखा

*परिभाषा:*

"धोखा" अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम "छल" कहलाता है।

- एक और शब्द, "धोखेबाजी" भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
- किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
- व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
- "छल" और "धोखा" का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
- व्याख्यात्मक शब्द "छली" और "धोखा देनेवाला" के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

*अनुवाद के सुझाव:*

- "धोखा" के अनुवाद के अन्य रूप "झूठ बोलना" या "झूठा विश्वास दिलाना" या "किसी को असत्य पर विचार करवाना"।
- "धोखा देना" का अनुवाद "झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना" या "झूठ कहना" या "चाल चलना" या "मूर्ख बनाना" या "पथभ्रष्ट करना" हो सकता है।
- "धोखा देने वाला" का अनुवाद "झूठा" या "पथभ्रष्ट करने वाला" या "छलनेवाला"हो सकता है।
- प्रकरण पर निर्भर करके, "छल" या "धोखा" ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ "मिथ्यात्व" या "झूठ" या "प्रवंचना" या "छल-कपट" हो।
- "छली" या "धोखा देने वाला" का अनुवाद हो सकता है, "असत्यवादी" या "पथभ्रष्ट करने वाला" या "झूठ बोलने वाला" कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: सच्ची)

*बाइबल सन्दर्भ:*

- 1 यूहन्ना 01:8
- 1 तीमुथियुस 02:14
- 2 थिस्सलुनीकियों 02:3–4
- उत्पत्ति 03:12–13
- उत्पत्ति 31:26–28
- लेवीय 19:11–12
- मत्ती. 27:64
- मीका 06:11–12

*शब्द तथ्य:*

- स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423